रायसेन जिला

नवभारत
भोपाल, रविवार 12 अप्रैल 2026

कृषि महोत्सव में आधुनिक उपकरणों का लाइव डेमो

रायसेन के दशहरा मैदान में 300 से अधिक स्टॉल लगे

रायसेन, 11 अप्रैल. रायसेन में शनिवार से तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव, प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण शुरू हो गया. पहले दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आगमन के बाद सबसे पहले कॉर्न कटर मशीन, सोलर पैनल और पंप, माइक्रो इरिगेशन और हाइड्रोजन-पावर्ड ड्रोन जैसे आधुनिक उपकरणों का लाइव डेमो हुआ. पशुपालन, मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं पोषण, उर्वरक, मत्स्य पालन, राष्ट्रीय उद्यानिकी बोर्ड सहित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कराया गया.

मंच पर सांची के विधायक डॉ. प्रभु राम चौधरी ने स्वागत भाषण दिया. प्रदेश के कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना और केंद्रीय कृषि सचिव अतीश चंद्रा ने भी किसानों को संबोधित किया. योजनाओं के तहत किसानों को लाभ-वितरण किया गया और साथ ही ईफार्म मृदा मोबाइल ऐप लॉन्च कर किसानों को मिट्टी की सेहत की जांच, पोषण प्रबंधन और वैज्ञानिक सिफारिशें मोबाइल पर उपलब्ध कराने की सुविधा दी गई. तीन दिन तक 20 से अधिक तकनीकी सत्रों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और थीम-आधारित हॉल में किसानों को उन्नत तकनीक से रूबरू कराया जाएगा.उद्घाटन समारोह में राज्य के पशुपालन मंत्री लखन पटेल, उद्यान मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पवार, मंत्री नरेंद्र पटेल, नर्मदापुरम के सांसद दर्शन चौधरी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डीजी डॉ. एम.एल. जाट भी उपस्थित थे.

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कृषि महोत्सव का शुभारंभ किया. दूसरे चित्र में इस अवसर पर आयोजित प्रर्दशनी में रखे कृषि यंत्र.

3 हैंगरों में बंटा आयोजन स्थल, किसान और कृषि विशेषज्ञ ले रहे हैं भाग

इस आयोजन में देशभर से किसान, वैज्ञानिक और कृषि विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं. महोत्सव से एक दिन पहले शुक्रवार शाम को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन कर स्टॉलों का निरीक्षण किया था. इस विशाल प्रदर्शनी में 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जो कृषि, बागवानी, सिंचाई, उर्वरक और कृषि यंत्रीकरण से जुड़ी नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन कर रहे हैं. आयोजन स्थल को 3 बड़े हैंगरों में बांटा गया है. पहले हैंगर में कृषि यंत्र, सिंचाई और नवाचार के स्टॉल हैं. दूसरे हैंगर में पशुपालन, डेयरी, सहकारी संस्थाएं और ग्रामीण विकास विभाग शामिल हैं, जबकि तीसरे हैंगर में मुख्य समारोह, तकनीकी सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं. तीनों दिन किसानों के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण, स्टार्टअप प्रेजेंटेशन और वैज्ञानिकों से सीधा संवाद आयोजित किया जाएगा. पशुपालन को विशेष प्राथमिकता देते हुए यहां गिर, साहीवाल और थारपारकर नस्ल की गायों के साथ जमुनापारी, सिरोही और बारबरी नस्ल की बकरियों का प्रदर्शन किया जा रहा है. कड़कनाथ मुर्गी पालन के मॉडल भी किसानों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। साथ ही मत्स्य पालन के क्षेत्र में बायोफ्लॉक, आरएएस और एक्वापोनिक्स जैसे आधुनिक मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं। इसके अलावा पशु स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण और पोषण प्रबंधन पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है.

खेतों में लगा दिए बिजली के पोल, किसानों ने किया विरोध

- बिजली के पोल लगने से अनहोनी की आशंका

अदनान खान

सलामतपुर, 11 अप्रैल. सांची क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा 33 केवी हाईटेंशन लाइन के लिए किसानों के खेतों के बीचों-बीच बिजली के पोल लगाए जाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. किसानों का आरोप है कि यह कार्य एक निजी होटल परियोजना को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जबकि इससे उनकी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है.

यह भी बताया गया है कि विद्युत नियामक आयोग के पूर्व निर्णय में वीआईपी लाइन को नगर क्षेत्र के बाहर किसी को भी न देने का उल्लेख है, इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है.

किसानों का कहना है कि खेतों के बीच से गुजरने वाली यह लाइन भविष्य में खतरा बन सकती है, क्योंकि 24 घंटे चालू रहने वाली हाईटेंशन लाइन से फसलों में करंट फैलने की आशंका बनी रहेगी. इससे उत्पादन और किसानों की सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं.

इस मामले में किसान कमल किशोर पटेल, राजेश पटेल, सोनू पटेल ने खेतों से पोल लगाने पर आपत्ति जताई है. संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर मांग की है कि उक्त लाइन को खेतों के बीच से हटाकर सड़क किनारे से निकाला जाए, ताकि संभावित नुकसान से बचा जा सके.उन्होंने कहा जब सड़क किनारे पोल लगाने के लिए भूमि रिक्त हैं तब इन्हें खेतों में लगाना समझ से परे है. किसानों ने बताया कि इस मामले में हम कलेक्टर को अवगत करा कर समस्या हल करने का प्रयास करेंगे.

इनका कहना है

जहां-जहां पोल लगाए जा रहे हैं, उसकी जांच कराई जाएगी. किसानों की शिकायतों का परीक्षण किया जाएगा. विद्युत वितरण कंपनी अधिकारियों से भी चर्चा की जायेगी.

ललित सक्सेना,
नायब तहसीलदार सांची

कार्य निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है,तथा पोल मेढ़ पर लगाए जा रहे है .भविष्य में घटना को देखते हुए केबल लाइन डाली जा रही है. फिर भी यदि कहीं समस्या सामने आती है तो मौके पर निरीक्षण कर उचित समाधान निकाला जाएगा.

मनीष श्रीवास्तव,
जेई विद्युत वितरण कंपनी सांची

अंतरिक्ष विज्ञान का मिला लाइव अनुभव

भोपाल. आंचलिक विज्ञान केन्द्र में शनिवार को अंतरिक्ष विज्ञान को करीब से समझने का अनूठा अवसर मिला. यहां आर्टेमिस टू मिशन के ओरायन अंतरिक्ष यान की सुरक्षित वापसी का लाइव प्रसारण किया गया. वहीं रॉकेट मॉडल प्रदर्शन ने विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति नई उत्सुकता जगा दी. कार्यक्रम में सुबह ओरायन अंतरिक्ष यान के पृथ्वी पर लौटने की प्रक्रिया को समझाया गया.

एक नजर में

खोहा ग्राम पंचायत ने किया प्याऊ का शुभारंभ

सलामतपुर, 11 अप्रैल. भोपाल-विदिशा स्टेट हाइवे-18 के बेरखेड़ी चौराहे पर ग्राम पंचायत खोहा ने प्याऊ का शुभारंभ किया. यहां ठंडे पानी के लिए प्याऊ की कमी लोगों को खल रही थी. यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री बसें, चार पहिया वाहन व मोटरसाइकिल से सैकड़ों लोग निकलते हैं. जिन्हें इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ता है. बुधवार को हाट बाजार के दिन भी लगभग कई गांवों से ग्रामीण यहां आते हैं. उन लोगों को भी पीने का ठंडा पानी आसानी के साथ नही मिलता है. खोहा पंचायत के सरपंच कालूराम मीणा ने सांची जनपद अध्यक्ष सहित सीईओ को इस समस्या से अवगत कराया. बेरखेड़ी चौराहे पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शेड लगवाकर ठंडे पानी के लिए मटके रखवाए. इस अवसर पर खोहा ग्राम पंचायत सरपंच कालूराम मीणा, सचिव राजाराम जाटव और रोजगार सहायक संजीव मीणा मौजूद रहे.

शिक्षक पात्रता परीक्षा रद्द करने की मांग

- अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

बेगमगंज, 11 अप्रैल. अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) रद्द करने की मांग को लेकर शनिवार को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन बेगमगंज एसडीएम को सौंपा है. ज्ञापन में मांग की है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त की जाए.

इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचना दिनांक 10 अगस्त 2010 की कंडिका 4 (क) (ग) एवं कंडिका 5 के अनुसार क्रमश: 3 सितम्बर 2001 के पश्चात नियुक्त शिक्षक (संविदा शाला शिक्षक) 3 सितम्बर 2001 के पूर्व नियुक्त शिक्षक (शिक्षाकर्मी व संविदा शाला शिक्षक) तथा वर्ष 2011 से 2014 के मध्य गुरुजी से संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्त शिक्षक को टीईटी से छूट प्रदान की गई है. पारित निर्णय में भी उक्त छूट का उल्लेख किया गया है. इसके बावजूद विभागीय आदेशों द्वारा समस्त सेवावधि नॉन-टीईटी शिक्षकों को उत्तीर्ण करने हेतु बाध्य किया जा रहा है.

> जबकि आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा 02 मार्च 2026 तथा आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, द्वारा दिनांक 26 मार्च 2026 को जारी आदेशों को तत्काल निरस्त करने की मांग की है. ज्ञापन में नवीन शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों की लंबे समय से की जा रही ज्वलंत मांग को दृष्टिगत रखते हुए उनकी सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से किए जाने, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदीकरण जैसे वैधानिक लाभ पदोन्नति/क्रमोन्नति करने की भी मांग की है.

सार्वजनिक प्याऊ से राहगीरों को राहत

जल गंगा संवर्धन अभियान में तीन स्थानों पर प्याऊ शुरू

सिलवानी, 11 अप्रैल. भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के उद्देश्य से नगर परिषद सिलवानी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सराहनीय पहल की गई है.नगर के प्रमुख और अधिक आवाजाही वाले स्थानों पर सार्वजनिक पेयजल प्याऊ शुरू किए गए. नगर परिषद ने बजरंग चौराहा, लोक सेवा केंद्र और पुराना बस स्टैंड जैसे व्यस्त क्षेत्रों में इन प्याऊ की स्थापना की है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है. इससे राहगीरों, यात्रियों, मजदूरों और ग्रामीणों को चिलचिलाती धूप में शीतल पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा.

प्याऊ के शुभारंभ अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विभोर नायक, एसडीएम हर्षल चौधरी, सीएमओ ऋषिकांत यादव, पार्षद हाफिज मंसूरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे.अतिथियों ने इस पहल को जनसेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे आमजन को बड़ी राहत मिलेगी.

> गौरतलब है कि अप्रैल में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता है.ऐसे में नगर परिषद द्वारा समय रहते की गई यह व्यवस्था न केवल राहत प्रदान करेगी, बल्कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी.

कृषि मेले के लिए दो बसें रवाना

सिलवानी, 11 अप्रैल. किसानों को उन्नत खेती और आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से रायसेन में राष्ट्रीय कृषि मेला आयोजित किया जा रहा है. यह मेला 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक चलेगा. मेले में शामिल होने के लिए नगर परिषद सिलवानी से किसानों को लेकर 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.

इस कृषि मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत खेती के तरीकों, नई कृषि तकनीकों और आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी प्रदान करना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके और वे समृद्ध बन सकें।

मेले में देशभर के कृषि वैज्ञानिक और उन्नत कृषक उपस्थित होकर किसानों को प्रशिक्षण देंगे तथा आधुनिक खेती के गुर सिखाएंगे. इस अवसर पर भाजपा नेता विभोर नायक, पार्षद प्रदीप कुशवाहा, लखन मेहरा सहित नगर परिषद सीएमओ ऋषिकांत यादव उपस्थित रहे.

साहू समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 20 को

तैयारियों का लिया जायजा

सिलवानी, 11 अप्रैल. जिला साहू समाज मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन इस वर्ष 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्राम खैरी जयपुरा में आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है.

सम्मेलन की तैयारियों को लेकर समाज के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि सक्रिय रूप से संपर्क कर उन्हें आमंत्रित कर रहे हैं.इसी क्रम में जिला समिति एवं स्थानीय समिति के सदस्यों ने सम्मेलन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान विवाह स्थल, पंडाल, पेयजल, भोजन, आवास एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई.समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जा रही हैं. उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने की अपील की है.

समस्या — पुराने आवासों की भी नहीं की जारी मरम्मत, हालत जर्जर

सिलवानी में आवास की कमी से जूझ रहे पुलिसकर्मी

सिलवानी, 11 अप्रैल. पुलिस अधिकारी एवं आरक्षकों के लिए शासकीय आवास का अभाव नगर में बना हुआ है. कई बार पुलिसकर्मियों के लिए आवासों के निर्माण की कवायद करने के बाद भी निर्माण नहीं हो पाया है. सरकारी आवास नहीं होने के कारण पुलिसकर्मियों को किराए से भवन लेकर निवास करना पड़ रहा है.

दो-दो पुलिसकर्मी एक साथ रह रहे हैं या फिर एक कमरा किराए से लेकर रहे हैं. यदि थाना परिसर में सुरक्षित आवास मिल जाए तो परिवार को भी यहां पर शिफ्ट किया जा सकता है, जिससे जहां ड्यूटी प्रभावित नहीं होगी और सरकारी काम भी प्रभावित नहीं होगा. पुलिसकर्मी अपने परिवार के साथ भी रह सकता है. वर्तमान में सिलवानी थाना परिसर में कुछ आवास बने हैं, लेकिन पुलिस स्टाफ की दृष्टि से कम पड़ते हैं.

अफसर पुलिस क्वार्टर के निर्माण के लिए भूमि की कमी बता रहे है, लेकिन थाना परिसर भी लंबे रकबे में फैला हुआ है. इसमें कुछ पुलिस आवास बने हुए हैं. यही नहीं थाना भवन के पीछे एवं बाजू से भी भूमि रिक्त पड़ी है. यदि इन भूमि पर अतिरिक्त कुछ आवासों का निर्माण कर दिया जाए तो पुलिस अधिकारी और जवानों की यह समस्या हल हो सकती है. पूर्व में पीडब्ल्यूडी के अधीन बने आवासीय क्वार्टर भी अब क्षतिग्रस्त होने लगे हैं. जिनकी लंबे समय से मरम्मत नहीं हुई है. पुलिसकर्मी अपने स्तर पर ही रंगाई पुताई और छुटपुट मरम्मत करवाते रहते हैं ताकि रहने के दौरान परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े.

> **महज आधा दर्जन हैं आवास**
>
> थाने में टीआई, एसआई, एएसआई, महिला एसआई, प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक, महिला आरक्षक सहित पुलिसकर्मी पदस्थ हैं. जिनके रहने के लिए महज आधा दर्जन आवास हैं. जहां कुछ पुलिस कर्मी वर्तमान में निवासरत है. कई बार कोई घटना होने पर बाहर के पुलिसकर्मियों को सुरक्षा की दृष्टि से बुलाया जाता है, लेकिन थाने के पास उनके आवासीय व्यवस्था नहीं होती. ऐसी स्थिति में उन्हें सामाजिक धर्मशाला, या स्कूल व शासकीय भवनों में रुकवाया जाता है. वहीं एसडीओपी को राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों के निर्मित आवास में निवास करना पड़ रहा है.

नरवाई की आग से धुएं में घिरी बस की टक्कर

रायसेन, 11 अप्रैल. नेशनल हाईवे-146 पर सैंडोरा चौकी के पास शनिवार को नरवाई में लगी भीषण आग एक सड़क हादसे की वजह बन गई. घने धुएं के कारण दृश्यता शून्य हो गई और कृषि महोत्सव से लौट रही यात्रियों से भरी बस आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई. बस विदिशा के गुलाबगंज की ओर जा रही थी.हादसे के दौरान बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि किसी के गंभीर घायल होने की खबर नहीं है. कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवे किनारे कई खेतों में नरवाई जल रही थी, जो तेज हवा के चलते तेजी से फैल गई और पूरे क्षेत्र को धुएं से ढक लिया. सूचना मिलते ही जिला पंचायत सीईओ मौके पर पहुंचे और यात्रियों का हाल जाना. बाद में सभी को दूसरी बस से रवाना किया गया.

बाड़ी में ज्यादा कीमत पर बेची जा रही शराब

बाड़ी, 11अप्रैल. प्रदेश सरकार की आबकारी नीति 2026-27 अब सवालों के कटघरे में खड़ी है. जिस नीति को शराब कारोबार में पारदर्शिता और नियंत्रण के लिए लागू किया गया था, वही अब ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत के चलते 'लूट की खुली छूट' बन चुकी है. बाड़ी की शराब दुकान इसका उदाहरण है.

यहां दुकान का संचालन आबकारी विभाग और ठेकेदार के बीच झूलता रहा और आखिरकार शराब कंपनी 'सोम' के कर्मचारियों के भरोसे दुकान चलने लगी. हैरानी की बात यह है कि जिन शराब की बोतलों पर एमआरपी 75 रुपये अंकित है, उन्हें खुलेआम 100 रुपये में बेचा जा रहा है. यानी हर क्वार्टर पर सीधी 25 रुपये की अवैध वसूली. वीयर कैन और बोतलों पर भी जमकर खेल हो रहा है. जहां कैन एमआरपी पर देकर युवाओं को आकर्षित किया जा रहा है, वहीं बोतलों पर 60 रुपये तक अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा खेल खुलेआम चल रहा है, लेकिन आबकारी विभाग कार्रवाई करने से बचता नजर आ रहा है.

इनका कहना है

आपके माध्यम से मामला संज्ञान में आया है. जांच कर कार्रवाई करेंगे.

सुनील मीणा
आवकारी अधिकार, बरेली